अध्यक्ष की कलम से

अंक जून 06

प्रिय साथियों,

उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के रूप में तीनों पूर्व ग्रामीण बैंकों के विलय की प्रक्रिया नि:सन्देह पूर्ण हो चूकी हैं ।प्रक्रिया के अन्तिम चरण में दोनों क्षेत्रीय विकास कार्यालय अस्तित्व में आ चुके हैं । क्षेत्रीय विकास कार्यालय, बिजनौर के अर्न्तगत बिजनौर एवं हरिद्वार (लालढ़ाग) की शाखायें रहेगीं जबकि क्षेत्रीय विकास कार्यालय, मेरठ के अर्न्तगत गाजियाबाद,बुलन्दशहर,गौतमबुद्व नगर, मु. नगर एवं मेरठ की शाखायें कार्य करेगी । इस प्रकार पूर्व नियोजित ग्रामीण बैंक का त्रिस्तरीय फार्मूला यहॉ फलीभूत हो गया है ।

ग्रामीण बैंक को यह त्रिस्तरीय ढांचा जिसके अर्न्तगत क्षेत्रीय विकास कार्यालय अस्तिस्व में आये है, शाखाओं को व्यवस्थित रूप से चलाने के लिये बनाया गया है । नि:सन्देह ये कार्यालय, प्र.का. की नीतियों को शाखा स्तर पर लागू करने का कार्य करेगें और इनसे स्टाफ की समस्यायें, उनके कार्य में आने वाली दिक्कतों, उनकी कार्यप्रणाली में आवश्यक सुधार का कार्य भी करेगें । शाखायें अपने क्षेत्रीय कार्यालय से लाभाविन्त होगी, ऐसा मेरा विश्वास है ।

अब बजट की बात करें । मुजफ्फरनगर में 7 जून को, गाजियाबाद में 8 जून को और बिजनौर में 13 व 14 जून को शाखा प्रबन्धकों के साथ हुयी गोष्ठियों में शाखाओं को बजट आवंटित कर दिये गये है । जिनका लक्ष्य आगामी मार्च 07 रखा गया हैं । लक्ष्य प्राप्त करने के लिये सतत् प्रयास अभी से आवश्यक हैं । सिर्फ जमा के क्षेत्र मे ही नहीं ऋण के मामलें में भी दीर्घकालीन, सुदृढ़ प्रयास करने होगें ताकि कमिक एवं स्थायी वृद्वि परिलक्षित होती रहें । यह केवल लेखावधि के दौरान ही परिलक्षित न हो । इस हेतु हमें अपने Conventional Sourcess को सहेजते रखते हुये नये स्त्रोतों को खोजना होगा ।

शाखाओं के लिये लाभप्रदत्ता एक मुख्य पैरामीटर हैं । यह शाखा की शक्ति का पैमाना हैं । लाभप्रदत्ता प्रदान करने वाले क्षेत्रों पर कडी निगाह रखकर उन्हें अपने नियंत्रण में लेना होगा । इसके लिये वसूली बढ़ाने पर भी जोर देना होगा । हमारा लक्ष्य है कि प्रत्येक शाखा अपने आप में एक पूर्ण लाभप्रद इकाई बनें । स्टाफ अपनी भूमिका सशक्त रूप से निभायें इसके लिये हमें अपनी कार्य प्रणाली में कई विशिष्ट परिवर्तन करने होगें । इन परिवर्तनों के बारें में हम विस्तार से पहले भी चर्चा कर चुके हैं । जिसमें सबसे महत्वपूर्ण है-टीम भावना, अपनी संस्था के प्रति लगाव, आगे बढ़ने की चाह अपने अपने व्यक्तिगत हितों को संस्था के हितों पर हावी न होने देना । ये हम सब स्वीकारते तो है लेकिन निभाते नहीं । इस भावना का कियान्वयन करना सहज तो नहीं पर कठिन एवं असम्भव भी कतई नहीं । इस दिशा में प्रयास करेगें तो सफल भी होगें ।

शाखाओं को बजट दिये गये हैं उसको प्राप्त करने के लिये प्रबन्धक अपने स्टाफ सदस्यों के साथ मिलकर विशेष नीति बनायें और उन्हें अपने यहां लागू करें । इस योजना मे सभी स्टाफ सदस्यों के जुड़ने से आपसी समन्वयक और जागरूकता बढ़ेगी और इससे लक्ष्यों को प्राप्त करने में सुगमता रहेगी ।

बैंक की अपनी website दिनांक 19 जून 06 को पंजाब नैशनल बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक श्री एस. सी. गुप्ता जी के कर कमलों से प्रारम्भ हो गयी । बैंक के परिपत्र, गतिविधियां और विभिन्न योजनायें इस website पर उपलब्ध रहेगी । अपनी website शुरू करने वाला हमारा बैंक देश में प्रथम ग्रामीण बैंक हो गया हैं । इसके लिये आप सभी को बधाई ।

अंत में मै आह्वान करता हॅ कि आज से ही अपने बजट को प्राप्त करने की दिशा में प्रयास करने प्रारम्भ कर दिये जायें ताकि समय रहते हम खुद को सिद्व कर सकें ।

शुभकामनाओं के साथ ।

–ए.के.लूम्बा